**भारत सरकार**

**रक्षा मंत्रालय**

**रक्षा विभाग**

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 2571**

**19 मार्च, 2018 को उत्तर के लिए**

**राफेल विमान की खरीद**

**2571. श्री के. रहमान खान:**

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि प्रधान मंत्री के फ्रांस दौरे के दौरान राफेल लड़ाकू विमान की खरीद को अंतिम रूप दिया गया था ;

(ख) क्या यह सच है कि इस सौदे के दौरान विमानों की संख्या को 126 से घटाकर 36 कर दिया गया था ;

(ग) मूल रूप से 126 विमान खरीदने के निर्णय को अंतिम रूप से घटकार 36 करने के क्या कारण हैं ; और

(घ) क्या इस प्रकार के लड़ाकू विमान की आवश्यकता अचानक कम हो गई है अथवा सरकार कुछ अन्य लड़ाकू विमानों को खरीदने के लिए योजना बना रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (डॉ. सुभाष भामरे)**

(क) से (ग): अप्रैल, 2015 में माननीय प्रधानमंत्री के फ्रांस दौरे के दौरान, भारतीय वायुसेना की "महत्वपूर्ण संक्रियात्मक आवश्यकता" को पूरा करने के लिए 36 राफेल विमानों की सीधी खरीद हेतु भारत-फ्रांस का एक संयुक्त बयान जारी किया गया था । यह बयान 'इरादे' की घोषणा थी । दिनांक 24 अगस्त, 2016 को सुरक्षा संबंधी मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीएस) के अनुमोदन के साथ वार्ता प्रारंभ होने के लगभग डेढ़ वर्ष पश्चात, 23 सितम्बर, 2016 को एक अन्तर सरकारी करार पर हस्ताक्षर किए गए ।

मध्यम बहुभूमिका वाले 126 युद्धक विमानों के लिए प्रस्ताव हेतु अनुरोध को 24 जून, 2015 को विधिवत वापस ले लिया गया क्योंकि कई वर्षो तक चली लंबी वार्ताओं के पश्चात भी अधिप्राप्ति की निबंधन एवं शर्तों को अंतिम रूप नहीं दिया जा सका ।

(घ): सरकार, सुरक्षा परिवेश की नियमित समीक्षा करती है और सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए भारतीय वायुसेना को समर्थ बनाने के लिए आवश्यक उपाय करती है । भारतीय वायुसेना विभिन्न विमानों की अधिप्राप्ति के जरिए अपने बेड़े के आधुनिकीकरण की प्रक्रिया अपनाती है । इसके अलावा, विमानों के मौजूदा बेड़े का आवश्यकतानुसार उन्नयन किया जाता है ।

\*\*\*\*\*